सोमवार 3 नवंबर 2025, कार्तिक शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी, विक्रम संवत् 2082, बरेली

www.livehindustan.com

हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

PAGE NO : 05 BOTTOM

महिलाओं के बेहतर स्वास्थ्य के लिए उठाए जाएं जरूरी कदम

बरेली, वरिष्ठ संवाददाता। एसआरएमएस मेडिकल कालेज में आयोजित दो दिवसीय प्रथम प्रसूति एवं स्त्री रोग अपडेट 2025 कांफ्रेंस का रविवार को समापन हुआ। विशेषज्ञों ने महिलाओं को स्वस्थ रखने के लिए इनसे जुड़े हर विषय पर बात की। सभी ने महिलाओं के स्वास्थ्य की अनदेखी पर चिंता जताई और इसकी बेहतरी के लिए साथ मिलकर काम करने की अपील के साथ ही सरकार से भी योजनाएं बनाने का अनुरोध किया।

बरेली आब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलाजी सोसायटी के सहयोग से आयोजित कांफ्रेंस के दूसरे दिन रविवार को दो टापिक पर व्याख्यान हुए। मृत जन्मदर की रोकथाम गर्भ से लेकर दुनिया तक और यूरोगायनेकोलाजी- स्वरूप का पुनर्स्थापन और कार्य विषय पर करीब एक दर्जन विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिया। एसजीपीजीआई चंडीगढ़ से डॉ. इंदु लता फेटल ग्रोथ रिस्ट्रिक्शन- मृत जन्म को रोकने के लिए साक्ष्य आधारित दृष्टिकोण और एनीमिया पर व्याख्यान दिया। डॉ. अपला प्रियदर्शिनी ने समय से पहले और मृत जन्म जोखिम में संतुलन के लिए साक्ष्य और सुझाव विषय पर, डॉ. अयशा अहमद ने प्लेसेंटा के स्वास्थ्य में जोखिम के लक्षण और उभरती प्रौद्योगिकी की भूमिका पर, डॉ. निधि ने गायनेकोलाजी में गैर शल्य चिकित्सा संबंधी सौंदर्य प्रक्रियाएं- वर्तमान साक्ष्य और दीर्घकालिक परिणाम विषय पर व्याख्यान दिया। कांफ्रेंस की आर्गनाइजिंग चेयरपर्सन डॉ. शशिबाला आर्या, आर्गनाइजिंग चेयरपर्सन एवं बरेली आब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलाजी सोसायटी की प्रेसीडेंट डॉ. लतिका अग्रवाल, आर्गनाइजिंग कमेटी की को-चेयरपर्सन डॉ. नमिता अग्रवाल और डॉ. मनोज टांगड़ी, डॉ. एसके सागर, कांफ्रेंस की आर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. मृदु सिन्हा, साइंटिफिक चेयरपर्सन डॉ. रुचिका गोयल, डॉ. भारती सरन, डॉ. मधुलिका शुक्ला, डॉ. शालिनी महेश्वरी, डॉ. दरक्शां अब्बास, डॉ. नंदना नेगी, डॉ. रंजना गुप्ता आदि मौजूद रहे।

एसआरएमएस मेडिकल कालेज में आयोजित कांफ्रेंस में शामिल हुईं महिला चिकित्सक।